उत्कर्ष महोत्सव की झलकियाँ

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त कॉलेज ऑफ एजूकेशन

चिरगाँव - झाँसी

Rashtrakavi Maithili Sharan Gupt College of Education • Chirgaon, Jhansi •

उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत

N.C.T.E., S.C.E.R.T. एवं

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त

Approved by : UGC New Delhi

संचालित पाठ्यक्रम - डी० एल० एड० (बी०टी०सी०) एवं बी०एड०

प्रवेश निर्देशिका एवं आवेदन पत्र

Email : rmsgcoedu@gmail.com

Mob. : 7376526188, 7234942814

हमारे प्रेरणास्रोत

स्व. श्री उर्मिलाचरण गुप्त (कक्का जी)

जन्म तिथि - 2 मार्च 1937 **पुण्य तिथि - 12 अप्रैल 2016**

शिक्षा का महत्व मैने बचपन से देखा है। मेरे माता पिता का मानना है कि, ज्ञान वह इन्वेस्टमैंट है जिनका मुनाफा जीवन के अंत तक मिलता रहता है। बड़े बड़े गुरुजनों, साहित्यकारों एवं महापुरुषों का हमारे घर में आना जाना हुआ करता था। उन्हीं के बीच बैठकर उनसे बहुत कुछ सीखने का मुझें सौभाग्य प्राप्त हुआ। ऐसा मानता हूं कि एक सामान्य जिन्दगी जीने के लिये **इन्सान को रोटी, कपड़ा एवं मकान के अलावा अगर किसी चीज की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वह है शिक्षा।** इसी शिक्षा की प्रतिपूर्ति के लिये मेरे पूज्य पिता जी स्वर्गीय श्री उर्मिलाचरण गुप्ता (कक्का जी) की उत्कंठा थी कि दद्दा जी कि कर्म एवं जन्मस्थली चिरगाँव में एक ऐसा शिक्षा का विख्यात केन्द्र स्थापित हो जो द्ददा जी कि परिकल्पनाओं को पूरा कर सके। यह विचार उन्हें सदा उददेलित करता रहता था कि साहित्य जगत की शिरोमणि नगरी चिरगांव के बच्चों को अध्ययन, अध्यापन और उच्च शिक्षा प्राप्त करने अन्यत्र दूर जाना पड़ता था वे चाहते थे कि यहाँ के बच्चे अपना बहुमुखी विकास करके चिरगाँव व देश का नाम रोशन कर सके। उनका यही विचार इस विशालता, भव्य एवं आर्कषण नियमवद्धता, सुप्रबन्ध और उत्कृष्ठ कॉलेज स्थापना कि प्रेरणा का पर्याय बना।

आज कक्का जी हमारे बीच नहीं है। लेकिन उनके द्वारा दिया गया दिव्य ज्ञान, कर्म दिग्दर्शन एवं आशीर्वचन हमेशा हमें अनवरत वढने की प्रेरणा और ऊर्जा देते रहेंगे। मै जीवनपर्यन्त दद्दा जी द्वारा लिखित पंक्तियाँ **''सन्देश यहाँ में नहीं स्वर्ग का लाया, इस भूतल को ही स्वर्ग बनाने आया''** को सार्थक एवं सिद्ध करने का प्रयास करता रहूँगा।

इं. सौरभ गुप्ता

From the Desk of Hon'ble

Chairman

आज हमारा देश विश्वगुरू, डिजिटल, ट्रांसपेरेंसी कैशलैस, जैसे आयामों को छूता जा रहा है। ऐसे में शिक्षा और शिक्षा में प्रतिस्पर्धा का महत्व कई गुना बड़ जाता है। जिसके फलस्वरूप निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करना अत्याधिक आवश्यक हो जाता है। शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो जितना पियेगा उतना ही दहाड़ेगा अर्थात ज्ञान का धनी व्यक्ति हमेशा ही सम्मान व आदरयोग्य होता है। क्योंकि ज्ञान वो कवच है जो अपने जीवन में आने वाली कठिनाइयों से अपने रक्षा करेगा फिर किसी भी शस्त्र की आवश्यकता नही होगी।

इस युक्ति को सार्थक करने के लिये शिक्षण प्रशिक्षण से कोर्स (B.Ed / D.EL.Ed / ITBP/ M.ED) इत्यादि करने के पश्चात निश्चित ही आदर्श शिक्षक बनने की परिकल्पना का संयोजन मस्तिष्क के मूनपटल पर अवश्य होगा। कहते हैं कि यदि जीवन में शिक्षक न हो तो शिक्षण सम्भव नहीं है क्योंकि शिक्षक इंसान को जिम्मेदार और सम्वेदनशील बनाता है। तभी तो शिक्षक को राष्ट्रनिर्माता की संज्ञा दी जाती है। इसलिये उपर्युक्त कोर्सों में प्रवेश लेने के उपरान्त देश को सुदृण एवं वैश्विक ज्ञान महारान्ति को योजनावद्ध तरीके से कार्य करना होगा। तभी हम 2047 में अतुल्यनीय भारत की कल्पना कर सकते है। इस उपदेश्य को पूरा करने के लिये सत प्रतिशत मनोयोग से शिक्षा– पात्रता परीक्षा के विभिन्न चरणों से गुजरना होगा। इसके साथ साक्षरता को प्रमुख मापदंडो को भी माफ करना होगा। इन्हीं उद्देश्यो की प्रतिपूर्ति में राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त कॉलेज ऑफ एजूकेशन नियमवद्धता निभाने के लिये तैयार है।

एक श्रमिक जो आज भमि ही खन सकता है।
कल सुयोग्य हो वहीं राष्ट्रपति बन सकता है।

इं. सौरभ गुप्ता
(चैयरमैन)

इं. सत्यम् गुप्ता
(अध्यक्ष)

डॉ0 स्वतन्त्र कुमार सोनी
(प्राचार्य)

उपलब्ध पाठ्यक्रम

शिक्षा संकाय

डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) **कोड नं. 390004** **उपलब्ध सीटें - 50**

सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी इलाहाबाद द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार अश्वनलाइन आवेदन करने के उपरान्त काउन्सलिंग में सीट के आधार पर प्रवेश आवंटन किया जायेगा। मेरिट का आधार हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट एवं स्नातक या समकक्ष परीक्षाओं के प्राप्तांकों के प्रतिशत का योग होगा।

आवेदन हेतु पात्रता

शैक्षिक अर्हता – डी0एल0एड0 प्रशिक्षण चयन हेतु ऐसे अभ्यर्थी ऑन–लाइन आवेदन करने के पात्र होंगे, जो उत्तर प्रदेश के निवासी हों तथा जिन्होंने आवेदन पत्र भरने के पूर्व माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद एवं CBSE (सी.बी.एस.ई.) से मान्यता प्राप्त संस्थानों से हाईस्कूल व उसके समकक्ष तथा इन्टरमीडिएट व उसके समकक्ष घोषित परीक्षा एवं विधि द्वारा स्थापित एवं यू0जी0सी0 से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजातिध्अन्य पिछड़ाध्वर्गध विकलांगध्स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित/भूतपूर्व सैनिक द्धस्वयंऋ के अभ्यर्थियों को न्यूनतम अंकों में 05 प्रतिशत की छूट होगी।

माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद द्वारा एवं COBSE (कोबसे) द्वारा अमान्य तथा यू0जी0सी0 द्वारा फर्जी तथा अमान्य घोषित की गयी संस्थाओं/विश्वविद्यालयों से किसी भी स्तर (हाईस्कूल, इन्टर तथा स्नातक) की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 10+2+3 शिक्षा प्रणाली प्रचलित हैं। एकरूपता की दृष्टि से एक वर्षीय एवं अभ्यर्थी आवेदन हेतु अर्ह नहीं माने जायेंगे। प्रदेश द्विवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन के पात्र नहीं होंगे।

आयु–आवेदन हेतु अभ्यर्थी की आयु जिस प्रशिक्षण सत्र के लिए आवेदन किया जायेगा, अभ्यर्थी की आयु 01 जुलाई को 18 वर्ष से कम तथा 35 वर्ष से अधिक न हो। न्यूनतम आयु सीमा में किसी प्रकार की छूट न होगी। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष से 05 वर्ष की सामान्य छूट होगी। दिव्यांग (विकलांग) अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में 15 वर्ष की सामान्य छूट रहेगी। भूतपूर्व सैनिकों की आयु में छूट नियमानुसार "यदि सेना के किसी भूतपूर्व कर्मचारी द्वारा सेना में की गयी सेवा की सम्पूर्ण अवधि उसकी वास्तविक आयु में से घटा दी जाती है और यदि इस प्रकार घटायी गयी आयु निर्धारित अधिकतम आयु सीमा से तीन वर्ष से अधिक न हो तो यह समझा जाता है कि वह ऐसी सेवाओं तथा पदों पर भर्ती की आयु से सम्बन्धित शर्तो को पूरा करता है।''देय होगी।

प्रतिक्षण शुल्क-

डी0एल0एड0 (बी0टी0सी0) प्रशिक्षण दो वर्षीय नियमित अनावासीय (Regular) प्रशिक्षण है, जिसमें चार सेमेस्टर हैं। निजी संस्थानों हेतु शासनादेश संख्या – 1441/15–11–2014 दिनांक 10 सितम्बर, 2014 के अनुसार प्रशिक्षण शुल्क प्रतिवर्ष 41,000/– होगा।

बी. एड. संस्थान कोड 799 उपलब्ध सीटें - 50

बी. एड. पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर आयोजित बी.एड. प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंको की मैरिट सूची के आधार पर प्रवेश होता है। प्रवेश परीक्षा के लिये आवेदन पत्र सामान्यत: मार्च/अप्रैल से सीधे विश्वविद्यालय में ऑनलाईन भरे जा सकते हैं। प्रवेश परीक्षा का आयोजन राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर आयोजित बी एड प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों की मैरिट सूची के आधार पर प्रवेश नामित विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि में सामान्यतरू मई/जून में किया जाता है।

आवेदन हेतु पात्रता–

1. विज्ञान/सामाजिक विज्ञान/मानविकी वर्ग में सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग हेतु न्यूनतम 50% (पचास प्रतिशत) अंकों के साथ विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय की स्नातक उपाधि अथवा स्नातकोत्तर उपाधि। बी0ई0 एवं बी0टेक0 में गणित एवं विज्ञान में विशेषज्ञता वाले छात्रों के लिये न्यूनतम 55% (पचपन प्रतिशत) अंकों के साथ अथवा उपरोक्त के समतुल्य कोई अन्य अर्हता वाले अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु अर्ह हैं।
2. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों हेतु विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय की स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि उत्तीर्ण अथवा गणित एवं विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ बी0ई0 एवं बी0टेक0 में स्नातक उपाधि अथवा उपरोक्त के समतुल्य कोई अन्य अर्हता वाले अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु अर्ह हैं।
3. दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों को न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता में स्नातक स्तर पर 05% (पाँच प्रतिशत) की छूट दी जायेगी।
4. सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी या उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों में शिक्षाशास्त्री (बी0एड0) में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों हेतु शैक्षिक अर्हता का विवरण निम्नवत है :–

   न्यूनतम 50% (पचास प्रतिशत) अंकों सहित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय की त्रिवर्षीय शास्त्री परीक्षा, या द्विवर्षीय शास्त्री परीक्षा सत्र 1990 तक या विधि द्वारा स्थापित किसी अन्य विश्वविद्यालय की शास्त्री अथवा त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा तीन वर्षो में संस्कृम सहित अथवा द्विवर्षीय शास्त्री या वैकल्पिक विषय सहित द्विवर्षीय स्नातक परीक्षा सत्र 1985 तक।

नोट – ऐसे अभ्यर्थी जो वर्तमान में परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं, वे भी इस प्रवेश परीक्षा में आवेदन करने हेतु अर्ह होंगे। ऐसे अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग प्रक्रिया के पूर्व न्यूनतम अर्हता धारित करना अनिवार्य होगा।

प्रशिक्षण शुल्क – शासन द्वारा निर्धारित शुल्क 51,250रू (प्रथम वर्ष) 30,000रू (द्वितीय वर्ष)

महत्वपूर्ण निर्देश :–

1. कॉलेज में विद्यार्थी प्रवेश तब करें जब वह अपने परिचय पत्र के साथ पूर्ण गणवेश में हो।
2. परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु छात्र/छात्राओं की कक्षा में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। अन्यथा की स्थिति में कॉलेज द्वारा लिया गया निर्णय सर्वमान्य होगा।
3. कॉलेज भवन, परिसर एवं परिसर के आस–पास अभद्रता, उदण्डता एवं अनुशासनहीनता करने वाले विद्यार्थियों के विरूद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
4. कॉलेज की सम्पत्ति, भवन, फर्नीचर, बिजली उपकरण आदि को क्षति पहुंचाने पर संबंधित छात्र/छात्रा को छतिपूर्ति देय होगी।
5. विद्यार्थियों को यदि कोई कठिनाई हो तो वह प्राचार्य/प्राध्यापक के समक्ष निर्धारित प्रणाली से शांति पूर्वक अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।
6. प्रत्येक विद्यार्थी परिसर में प्रवेश के पश्चात एवं निकास के पहले आवश्यक रूप से सूचना पटल देखें।
7. सूचनायें एकत्र करना छात्र/छात्राओं का दायित्व है, 'सूचना नहीं मिली' या पता नहीं था' जैसे तर्कों को कॉलेज प्रशासन कोई मान्यता प्रदान नहीं करेगा।
8. कॉलेज प्रशासन की अनुमति के बिना बाह्य व्यक्तियों को कॉलेज परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।
9. किसी भी नियम परिनियम एवं प्रावधान आदि की व्याख्या के सम्बंध में उ.प्र. शासन एवं बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी और परीक्षानियामक प्राधिकारी प्रयागराज की परिनियमावली एवं समय–समय पर जारी शासनादेश एवं अध्यादेश सर्वोपरि होंगे।
10. समस्त प्रकार के विवादों का क्षेत्र न्यायालय झाँसी होगा।

विशेष निर्देश :–

- संकाय विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु प्रत्येक छात्र/छात्रा को अतिरिक्त भुगतान करना होगा।
- कॉलेज शुल्क के अतिरिक्त विश्वविद्यालय अथवा परीक्षा नियामक प्राधिकारी परीक्षा शुल्क परीक्षा फार्म भरने के समय अलग से देय होगी।
- शुल्क दरों में मुद्रण त्रुटि अथवा समय–समय पर होने वाले परिवर्तन संशोधन के फलस्वरूप संशोधित शुल्क जमा करना होगा।
- शुल्क रसीद कटने के पश्चात् हस्तान्तरित /वापिस नहीं होगा।
- Whatsapp में जानकारी प्रेर्षित होगी। समस्त जानकारी के लिये कार्यालय से संपर्क करें।
- बायोमेट्रिस उपस्थिति ही मान्य होगी।
- छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति शासन की योजना है। नियमो के अनुरूप ही प्रदान की जायेगी।

छात्रवृत्ति एवं पुरूस्कार

महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त प्रत्येक वर्ग (अल्पसंख्यक, सामान्य, पिछड़ा वर्ग, अनु. जाति एवं अनु, जन जाति), के छात्र–छात्राओं हेतु छात्रवृत्ति की विशेष सुविधा है। महाविद्यालय के शिक्षा संकाय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रशिशु प्रशिक्षार्थियों की पुरूस्कार प्रदान किया जायेगा।

संस्था का गणवेश

D.El.Ed संकाय के लिये

छात्राध्यापक के लिये–

सोमवार से शुक्रवार	:–	स्लेटी पेंट व सफेद कमीज
शनिवार	:–	सफेद पेंट व सफेद कमीज

छात्राध्यापिक के लिये–

सोमवार से शुक्रवार	:–	स्लेटी कुर्ता (सूट) सफेद सलवार
शनिवार	:–	सफेद कुर्ता (सूट) सफेद सलवार

B.Ed. संकाय के लिये

छात्राध्यापक के लिये–

सोमवार से शुक्रवार	:–	सफेद पेंट व सफेद कमीज
शनिवार	:–	सफेद पेंट व सफेद कमीज

छात्राध्यापिक के लिये–

सोमवार से शुक्रवार	:–	सफेद कुर्ता (सूट) सफेद सलवार (लाल दुपट्टा)
शनिवार	:–	सफेद कुर्ता (सूट) सफेद सलवार (लाल दुपट्टा)

प्रशिक्षण के नियम

- बी.एड./डी.एल.एड. के अभ्यार्थियों को इंटर्नशिप करना अनिवार्य होगा। जिससे कौशल विकास के साथ–साथ अधिगम प्रक्रिया एवं व्यवहार में परिवर्तन हो सके।
- बी.एड./डी.एल.एड. के अभ्यार्थियों को आवंटित विद्यालयों में 30 दिन तक पाठ योजना द्वारा पठ्न पाठन करना ही होगा।
- प्रशिक्षित अभ्यार्थियों के लिये इंटर्नशिप के दौरान पूर्ण गणवेश में एवं नियमित शिक्षक के रूप में विद्यालयी क्रियाकलापों में शतप्रतिशत अनुसासन के साथ सहयोग करना होगा।
- बच्चों, अभिभावकों एवं वरिष्ठ शिक्षकों के साथ सोहार्दपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करते हुये बच्चों की प्रगति के लिये नये–नये सिद्धांतों का नवाचार विधि से प्रदर्शन करना होगा।
- पाठ्य योजना में, पाठ्य बिन्दु सहायक सामग्री, शिक्षण विधि छात्र क्रियाओं एवं नवाचार से युक्त होना चाहिए। जिससे अभ्यास शिक्षण के द्वारा ज्ञान गंगा उन्हें निरन्तर सींचती रहे और आगे चलकर छात्र–छात्रा अपनी अद्भुत प्रतिभा राष्ट्र को समुन्नत करने का बीड़ा उठा सके।
- पाठ्य योजना के अभ्यास प्रशिक्षण के बालक–बालिका के उर में एक ज्योति अवश्य होता है बस आवश्यकता है कि उसे कैसे जगाया जाये, कैसे ऊर्जा स्थित करें और सृजनात्मकता के पाठ कैसे पढ़ाये जायें, और कैसे उसे ज्ञान, बोध, अनुप्रयोग और कौशल के सारी गुण सिखाये जायें।
- अभ्यास पाठ्यकरने हेतु आपको अपने–अपने प्राथमिक विद्यालयों से समय–चक्र करना होगा प्रधानाचार्य /विषय शिक्षक से मिलकर इस दिशा में आप कक्षा, स्तर तथा शिक्षण की जानकारी प्राप्त करें एवम् तद्नुसार विषय सामग्री की वस्तु विश्लेषण अपनी दैनन्दिनी में दिये गये प्रारूपानुसार पूर्ण करें।
- अपने मार्गदर्शक से परामर्श करके पाठ्य योजना प्रारूप को ठीक प्रकार से समझ लें तथा उसके अनुसार पाठ्य रचना करें। सुविधा की पुष्टि से पाठ्य योजना अग्रिम करा लेना उपयुक्त होगा। जिससे की आपात स्थिति में पूर्ण अनुमोदित पाठ्य योजना उपलब्ध हो सके।
- पाठ्य पढ़ाने के पश्चात् विषय शिक्षक से मिलकर और मत अवश्य प्राप्त कर लें तथा सुझावों को उससे तथा अपने पर्यवेक्षक से चर्चा करके समझ लें। अगले पाठ्यों में इन सुझाओं का उपयोग कर त्रुटियों को न दोहराएँ।
- जिस प्राथमिकध्माध्यमिक विद्यालयों में पाठ्य योजनाओं का अध्यापन कर रहे हों वहाँ के नियमों का पालन शत् प्रतिशत करना होगा। साथ ही साथ अनुशासित रह कर अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाहन करना होगा।
- यह ध्यान रहे कि आप जहाँ अभ्यास कार्य कर रहे हों वहाँ ठीक समय से पूर्व पहुँचकर अपनी उपस्थिति प्रधानाचार्य को दर्ज करा दें। विलम्ब से पहुँचने पर अनुपस्थिति दर्ज होगी तथा पाठ्य योजना अभ्यास का अवसर नहीं दिया जायेगा।
- पाठ्य योजना स्वत: रचित एवं विषय शिक्षक से अनुमोदित होनी चाहिए तभी कक्षा–कक्ष में दक्षता का प्रादुर्भाव होगा।
- विद्यालय अवकाश के बाद प्रधानाचार्य से अनुमति लेकर घर के लिए प्रस्थान कर सकते हैं।

बी.टी.सी. (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम) की रूपेरखा

बी.टी.सी द्विवर्षीय पाठ्यक्रम को चार सेमेस्टर में विभाजित किया गया है। प्रथम वर्ष में दो सेमेस्टर तथा द्वितीय वर्ष में दो सेमेस्टर होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर 6 माह (न्यूनतम 120 शैक्षिक दिवस एवं 10 परीक्षा दिवसों) में होगा।

सेमेस्टर विषय विभाजन सारिणी- प्रत्येक सेमेस्टर के अन्तर्गत दो सैद्धांतिक प्रश्न-पत्र व विभिन्न विषयगत प्रश्न-पत्र एवं एक माह का इण्टरशिप किया जायेगा। जिनका विवरण निम्नवत् हैः-

प्रथम सेमेस्टर	द्वितीय सेमेस्टर	तृतीय सेमेस्टर	चतुर्थ सेमेस्टर

सैद्धांतिक विषय

बाल विकास एवं सीखने की प्रक्रिया (edu 01)	वर्तमान भारतीय समाज एवं प्रारम्भिक शिक्षा (edu 03)	शैक्षिक मूल्यांकन क्रियात्मक शोध एवं नवाचार (edu 05)	आरम्भिक स्तर पर भाषा के पाठ/ लेखन एवं गणितीय क्षमता का विकास (edu 07)
शिक्षण अधिगम के सिद्धांत (edu 02)	प्रारम्भिक शिक्षा के नवीन प्रयास (edu 04)	समावेशी शिक्षा (edu 06)	शैक्षिक प्रबन्ध एवं प्रशासन (edu 08)

सामान्य विषय

विज्ञान	विज्ञान	विज्ञान	विज्ञान
गणित	गणित	गणित	गणित
सामाजिक अध्ययन	सामाजिक अध्ययन	सामाजिक अध्ययन	सामाजिक अध्ययन
हिन्दी	हिन्दी	हिन्दी	हिन्दी
संस्कृत/उर्दू	अंग्रेजी	संस्कृत/उर्दू	अंग्रेजी
कम्प्यूटर शिक्षा	समाजोपयोगी उत्पादक कार्य	कम्प्यूटर शिक्षा	शान्ति शिक्षा एवं सतत् विकास
कला/संगीत/ शारीकिर शिक्षा/ स्वास्थ्य शिक्षा/ (सैद्धान्तिक/प्रायोगिक)	कला/संगीत/ शारीकिर शिक्षा/ स्वास्थ्य शिक्षा/ (सैद्धान्तिक/प्रायोगिक)	कला/संगीत/ शारीकिर शिक्षा/ स्वास्थ्य शिक्षा/ (सैद्धान्तिक/प्रायोगिक)	कला/संगीत/ शारीकिर शिक्षा/ स्वास्थ्य शिक्षा/ (सैद्धान्तिक/प्रायोगिक)

- कला/संगीत/शारीरिक शिक्षा/स्वास्थ्य में से किसी एक विषय का चयन प्रशिक्षु द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर में किया जायेगा, जिसका मूल्यांकन विषयाध्यापक द्वारा ही किया जायेगा, इसी प्रकार समाजोपयोगी उत्पादक कार्य (एस. यू. पी. डब्लू.) विषय का भी मूल्यांकन मात्र विषय अध्यापक द्वारा ही किया जाएगा। इस विषयों की लिखित/बाह्य परीक्षा नहीं होगी।
- प्रत्येक सेमेस्ट में आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा एवं इण्टरशिप के बाद प्रयोगोत्मक परीक्षा सम्पन्न होगी।

B.Ed.
(द्विवर्षीय पाठ्यक्रम) की रूपरेखा

First Year :-

Part - I : Theory and Practicum

Course		Name of the Course	Maximum Marks		
			External	Internal	Total
Compulsory	I	Philosophical & Sociological Perpectives in Education	80	20	100
	II	Psychological Perspectives in Education	80	20	100
	III	Physical Education, Health & Yoga	80	20	100
Elective (Any one)	IV	(I) Contemporary Issues of Education	80	20	100
		(II) Curriculum Development	80	20	100
		(III) Educational Measurement & Evaluation	80	20	100
	V	Pedagogy of School Subjects I	80	20	100
	VI	Pedagogy of School Subject II	80	20	100
		Total	480	120	100

Note :-

1. A candidate has to offer any two of the below mentioned subject in course (V) and course (VI).
2. The subject chosen must figure in candidates either graduation or post-graduation level.

B.Ed.
(द्विवर्षीय पाठ्यक्रम)

Second Year :-

Part - II[nd] : Theory and Practicum

Course		Name of the Course	Maximum Marks		
			External	Internal	Total
Compulsory	VII	Historical Perspective of Indian Education	80	20	100
	VII	Information & Communication Technology in Education	80	20	100
	VIII	Inclusive Education	80	20	100
Elective (Any one)	IX	(i) Value Education	80	20	100
		(ii) Educational Administration & Management	80	20	100
		(iii) Educational Guidance & Counselling	80	20	100
		Total	320	80	400

Note :-

1. A candidate has to offer any two of the below mentioned subject in course (V) and course (VI).
2. The subject chosen must figure in candidates either graduation or post-graduation level.

उत्कर्ष महोत्सव की झलकियाँ